भारतीय भाषा संस्थान

शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार

मानसगंगोत्री, हुणसुर रोड, मैसूरु-570006

शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र हेतु परियोजना निदेशक की आवश्यकता है

शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र (सीईएससीओ), ओड़िआ को शास्त्रीय दर्जा प्रदान किये जाने के उपरांत भारत सरकार की एक पहल है, जिसको निम्नलिखित पद की आवश्यकता है:-

क्रम सं	पद का नाम	पदों की संख्या	मासिक समेकित मानदेय
01	परियोजना निदेशक	01	₹.77,000/-

शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र (सीईएससीओ), भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु द्वारा निर्धारित की गई विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों पर कार्य करेगा, जिसमें शास्त्रीय ओड़िआ का अनुसंधान, प्रलेखन, प्रचार और शिक्षण शामिल होगा। यह भारत के राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों और विदेशों में व्यक्तियों, संस्थानों द्वारा किए गए ऐसे कार्यों का समन्वय भी करेगा और विश्व के अन्य शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन से उन्हें जोड़ने के सूत्र भी प्रदान करेगा।

परियोजना निदेशक शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के नोडल अधिकारी, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु के निदेशक (निदेशक, सीआईआईएल) की देख-रेख और मार्गदर्शन में काम करेंगे, साथ ही शास्त्रीय ओड़िआ के विकास के लिए ओड़ीशा सरकार के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। वे शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र की विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्यों की योजना बनाने में भी मदद करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि इस प्रक्रिया में सम्मिलित लोग उच्च गुणवत्ता के साथ प्रभावी ढंग से काम करें। इस पद की वित्तीय जिम्मेदारियाँ विभिन्न गतिविधियों के लिए योजना और बजट तैयार करने तक सीमित होंगी। उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे नोडल अधिकारी की अनुमति से परियोजना संबंधी योजना-सह-निगरानी बोर्ड (पीएमबी) की बैठकों तथा अन्य बैठकों आदि को आयोजित करने के प्रयासों और संबंधित गतिविधियों के मध्य सामंजस्य स्थापित करेंगे। साथ ही उन्हें शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए अन्य सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, शैक्षिक और अन्य अनुसंधान संस्थानों आदि के साथ संपर्क स्थापित करना होगा।

परियोजना निदेशक की नियुक्ति एक वर्ष के लिए पूर्णतः संविदा आधारित होगी जिसे वार्षिक समीक्षा के उपरांत अधिकतम 3 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। इस पद हेतु कुल रु. 77,000/- मासिक समेकित वेतन निर्धारित किया गया है। इस पद हेतु आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों की आयु आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि अर्थात् इस अधिसूचना के समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के 21 दिन के भीतर, 65 वर्ष से कम होनी चाहिए ।

शैक्षिक योग्यता :

ओड़िआ भाषा से संबंधित भाषा/साहित्य/ भाषाविज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि के साथ-साथ न्यूनतम 15 वर्ष का अनुसंधान/शिक्षण का अनुभव तथा किसी प्रतिष्ठित संगठन अथवा शैक्षणिक संस्थान में न्यूनतम 3 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव।

शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालन हेतु केंद्र सरकार के नियमों और विनियमों का ज्ञान आवश्यक है। उम्मीदवार को अनुसंधानोन्मुख एवं सक्रिय होना चाहिए तथा केंद्र के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप उसे केंद्र का नेतृत्व करने में सक्षम होना चाहिए।

उत्तरदायित्व एवं कर्त्तव्य

(i) परियोजना निदेशक शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के प्रमुख होंगे, उन्हें निदेशक, सीआईआईएल को रिपोर्ट करना होगा जो केंद्र के लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी हैं। जहाँ तक शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के वित्तीय और प्रशासनिक मामलों का संबंध है, सीआईआईएल के निदेशक केंद्र के नोडल अधिकारी और स्वीकृतिदाता प्राधिकारी हैं।

(ii) शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के परियोजना निदेशक नोडल अधिकारी की ओर से पीएमबी के निर्णय का पर्यवेक्षण उसकी निगरानी और उसका कार्यान्वयन करेंगे। उनसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे अगले महीने की तीसरी तारीख अथवा अगले कार्य दिवस पर योजना की मासिक प्रगति रिपोर्ट नोडल अधिकारी को सौंपेगे।

(iii) शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के परियोजना निदेशक नोडल अधिकारी के अनुमोदन से पीएमबी की बैठकों सहित शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र की बैठकों का आयोजन करेंगे।

(iv) परियोजना निदेशक को शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के लिए बजट तैयार करना होगा।

(v) शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के परियोजना निदेशक अभिलेखों और प्रकाशनों/ई-प्रकाशनों के संरक्षक होंगे तथा शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र/सीआईआईएल की ऐसी अन्य संपत्तियाँ उनके प्रभार में हो सकती हैं।

(vi) शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के परियोजना निदेशक अनुबंध, सहकार्य, समझौता-ज्ञापन और असाइनमेंट के लिए आधारभूत कार्य और पत्राचार करेंगे।

(vii) शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के परियोजना निदेशक को नोडल अधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपी गई किसी भी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

नियम एवं शर्तें :

1. शास्त्रीय उड़िया विशिष्ट अध्ययन केंद्र (सीईएससीओ) के परियोजना कर्मियों के नियुक्ति प्राधिकारी निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान हैं, जिनके पास पदधारी की सेवा असंतोषजनक पाए जाने पर, या पदधारी को कदाचार या धन के दुरुपयोग में या केंद्र, संस्थान या भारत सरकार के लिए हानिकारक मानी जाने वाली किसी भी गतिविधि में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल पाए जाने पर उसे पद से हटाने का अधिकार भी है।

2. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र शोध की रूप-रेखा और संलग्नकों के साथ निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मानसगंगोत्री, हुणसुर रोड, मैसूरु -570006 को भेज सकते हैं।
3. आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिन के भीतर मानी जाएगी। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।
4. संस्थान के पास आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है और संस्थान का निर्णय अंतिम माना जायेगा।
5. अपूर्ण आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
6. सेवारत आवेदकों को अपना आवेदन-पत्र उचित माध्यम से अग्रेषित करना चाहिए और वे एक अग्रिम प्रति भेज सकते हैं ताकि वह नियत तारीख के भीतर अधोहस्ताक्षरी तक पहुँच जाए।
7. साक्षात्कार में भाग लेने के लिए कोई यात्रा/दैनिक भत्ता देय नहीं होगा।
8. आवेदन-पत्र सीआईआईएल की वेबसाइट (www.ciil.org) से डाउनलोड किया जा सकता है।
9. लिफाफे के ऊपर **"परियोजना निदेशक, सीईएससीओ के पद के लिए आवेदन"** लिखा होना चाहिए।
10. किसी भी उम्मीदवार के चयन या इससे संबन्धित किसी भी अन्य मामले में सक्षम पदाधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

कार्य स्थल : भुवनेश्वर/ मैसूरु

शास्त्रीय ओड़िआ विशिष्ट अध्ययन केंद्र के परियोजना निदेशक के पद के लिए विस्तृत अधिसूचना

क्र. सं.	पद का नाम	पद की संख्या	मासिक समेकित मानदेय	आयु सीमा	शैक्षिक और अनिवार्य योग्यताएँ
01	परियोजना निदेशक	01	₹.77,000/-	अधिकतम 65 वर्ष	शैक्षिक योग्यता : • ओड़िआ भाषा संबंधी भाषाविज्ञान ,भाषा या साहित्य में, डॉक्टरेट की उपाधि के साथ-साथ न्यूनतम 15 वर्षों का अनुसंधान/शिक्षण का अनुभव तथा किसी प्रतिष्ठित संगठन अथवा शैक्षणिक संस्थान में न्यूनतम 3 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव। अनिवार्य : • ओड़िआ भाषा, साहित्य एवं भाषाविज्ञान से संबंधित अत्युत्तम प्रकाशन अभिलेख। • प्रथम/स्थानीय भाषा के रूप में ओड़िआ का ज्ञान साथ में अंग्रेजी और हिंदी में अत्युत्तम संवाद कौशल।

					• भारतीय ज्ञान परंपरा का अत्युत्तम बोध। • विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि के विद्वानों/समूहों के साथ तालमेल में काम करने का स्वभाव। • भारत सरकार के केंद्रों/परियोजनाओं की कुल कार्यप्रणाली से संबंधित केंद्रीय वित्तीय एवं प्रशासनिक नियमों एवं अधिनियमों का ठोस ज्ञान। • राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा भारत सरकार की अन्य संबंधित नीतियों में प्रकल्पित शास्त्रीय भाषाओं की भूमिका तथा उनके उत्थान की स्पष्ट समझ।